

# Inhalt

|                                     |     |
|-------------------------------------|-----|
| Vorwort .....                       | 9   |
| Mt 1,1-17 .....                     | 13  |
| Mt 1,18-21.24; 2,13-15a.19-21 ..... | 20  |
| Mt 2,1-12 .....                     | 26  |
| Mt 2,13-15 .....                    | 32  |
| Mt 2,13-23 .....                    | 37  |
| Mt 3,13-17 .....                    | 43  |
| Mt 5,13-16 .....                    | 49  |
| Mt 6,19-21 .....                    | 54  |
| Mt 6,24-34 .....                    | 58  |
| Mt 8,5-13 .....                     | 65  |
| Mt 8,23-27 .....                    | 70  |
| Mt 11,1-6 .....                     | 76  |
| Mt 14,22-33 .....                   | 82  |
| Mt 15,21-28 .....                   | 88  |
| Mt 21,14-17 .....                   | 95  |
| Mk 4,30-34 .....                    | 101 |
| Mk 10,2-12 .....                    | 107 |
| Mk 10,13-16 .....                   | 113 |
| Mk 10,17-27 .....                   | 119 |
| Mk 11,15-19.27-33 .....             | 124 |
| Mk 12,28-34 .....                   | 130 |
| Lk 1,78f .....                      | 141 |
| Lk 2,1-16 .....                     | 147 |
| Lk 2,16-20 .....                    | 153 |
| Lk 4,1-13 .....                     | 159 |
| Lk 5,27-32 .....                    | 165 |

|                                |     |
|--------------------------------|-----|
| Lk 7,11-17 .....               | 171 |
| Lk 7,36-50 .....               | 177 |
| Lk 9,57-62 .....               | 183 |
| Lk 10,17-20 .....              | 189 |
| Lk 10,38-42 .....              | 194 |
| Lk 11,5-10 .....               | 200 |
| Lk 12,(13-15.)16-21 .....      | 205 |
| Lk 14,15-24 .....              | 210 |
| Lk 15,1-10 .....               | 216 |
| Lk 16,1-9 .....                | 222 |
| Lk 17,5-6 .....                | 229 |
| Lk 18,9-14 .....               | 234 |
| Lk 19,1-10 .....               | 240 |
| Lk 20,20-26 .....              | 246 |
| Lk 22,24-27 .....              | 252 |
| Joh 1,14-17 .....              | 258 |
| Joh 1,35-42 .....              | 264 |
| Joh 1,43-51 .....              | 270 |
| Joh 2,1-11 .....               | 276 |
| Joh 3,16 .....                 | 283 |
| Joh 5,1-16 .....               | 288 |
| Joh 11,20-26 .....             | 294 |
| Joh 12,12-19 .....             | 300 |
| Joh 14,18-20 .....             | 306 |
| Joh 16,16-24 .....             | 310 |
| Joh 19,28-30 .....             | 315 |
| Apg 2,1-17.21.24a.32b.33 ..... | 320 |
| Apg 2,41-47 .....              | 325 |
| Apg 6,1-6 .....                | 331 |
| Apg 9,1-9 .....                | 337 |
| Apg 9,10-20 .....              | 343 |

|                                   |     |
|-----------------------------------|-----|
| Apg 16,6-15 .....                 | 349 |
| Apg 16,23-34 .....                | 355 |
| Apg 17,16-21 .....                | 361 |
| Apg 17,22-31 .....                | 366 |
| Apg 17,30-34 .....                | 372 |
| Apg 21,15-26 .....                | 377 |
| Apg 21,27-36 .....                | 383 |
| <br>                              |     |
| 1. Artikel des Apostolikums ..... | 389 |
| 2. Artikel des Apostolikums ..... | 395 |
| 3. Artikel des Apostolikums ..... | 402 |
| <br>                              |     |
| Barmen 1 .....                    | 408 |
| Barmen 2 .....                    | 414 |
| Barmen 5 .....                    | 421 |